गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2012-2014

मासिक
गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

golalariya_darshan@yahoo.in
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com
लेट पोस्टिंग

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 6 अंक : 5 पृष्ठ संख्या : 8 माह – 15 अक्टूबर 2014 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

108 मुनिश्री आर्जवसागरजी महाराज का इन्दौर में समाधिमरण

अनुपमा जैन, इन्दौर। नेमीनगर जैन कालोनी में चातुर्मास कर रहे आचार्य 108 श्री पंचकल्याणक सागरजी के परम शिष्य 108 श्री आर्जवसागरजी महाराज का समाधिमरण 30 अगस्त को पर्यूषण पर्व के प्रथम दिवस को हो गया। मुनिश्री सोलहकरण पर्व में एक उपवास और एक आहार के नियम से साधना कर रहे थे। 24 अगस्त को अचानक उनकी तबीयत खराब हुयी और वे अचेतन अवस्था में चले गये। तभी से उनके गुरु श्री पंचकल्याणक सागरजी के मार्गदर्शन में श्रद्धालुओं ने सतत् णमोकार मंत्र का वाचन जारी रखा जो 30 अगस्त 2014 को प्रात: 9.05 बजे मुनिश्री की समाधि तक चलता रहा। दोपहर 2 बजे नेमीनगर जैन कम्युनिटी हॉल से मुनिश्री का डोला निकाला गया व पुराने बगीचे में आचार्यश्री के निर्देशन में शास्त्रोक्त विधि से उनका अंतिम संस्कार किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने समाधि में श्रीफल अर्पित कर मुनिश्री को अंतिम प्रणाम किया और पर्यूषण पर्व के प्रथम दिन के समस्त कार्यक्रम स्थगित कर दिये गये। मंदिरो में मुनिश्री का गुणानुवाद किया गया।

परम पूज्य मुनि 108 श्री आर्जवसागरजी महाराज का जीवन परिचय – ग्राम मेहबा जिला पन्ना म.प्र. के बिलउआ परिवार के श्री कल्लू सिंघई एवं श्रीमती रामबाई के यहां वर्ष 1949 में मुनिश्री का जन्म हुआ था, इनके तीन भाई तथा तीन बहनों में आप पांचवे नंबर पर थे। इनके गृहस्थ जीवन का नाम श्री जैकुमार जैन था। इन्होंने अपनी पत्नी श्रीमती उर्मिला जैन एवं एक पुत्र अमित जैन व दो पोती तथा एक पुत्री को छोड़कर परम पूज्य आचार्य 108 श्री विमलसागरजी महाराज के परम शिष्य परम पूज्य उपाध्याय 108 श्री आत्मासागरजी महाराज से उ.प्र. एटा में 6 अक्टूबर 2011 को मुनि दीक्षा ग्रहण की थी। निर्वाण पश्चात मुनिश्री के पुत्र श्री अमित जैन को मुखाग्नि देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुनिश्री अनिलकुमार जैन फूड इन्सपेक्टर इन्दौर एवं अरुणकुमार जैन भोपाल के गृहस्थ जीवन के जीजाश्री थे।

मुनिश्री के छोटे भाई ने भी वर्ष 1975 में मुनि दीक्षा ग्रहण की थी जो कि आज परम पूज्य आचार्य 108श्री बाँसुपूज्य सागरजी के नाम से विख्यात है तथा वर्तमान में आगरा में चातुर्मास हो रहा है, तथा इनकी माताश्री नेमी ने आर्यिका व्रत ग्रहण कर परम पूज्य आर्यिका 105 श्री श्रेणीमती माताजी के रुप में निर्वाण प्राप्त किया तथा मुनिश्री के बड़े भाई श्री श्रीचन्द्र भी सात प्रतिमा ग्रहण कर आचार्यश्री बाँसुपूज्य सागर के संघ में संघस्थ होकर मुनि दीक्षा ग्रहण करने की ओर अग्रसर है।

अमंत्रण

गोलालारीय समाज के कार्यरत या सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी, डाक्टर, इंजीनियर, सीए / सीएस, प्रोफेसर, वकील, धर्माचार्य, विख्यात कंपनियों के अधिकृत व्यापारीगण, बैंक व अन्य विभागों में कार्यरत देश–विदेश के अधिकारियों की जानकारी संपूर्ण विवरण के साथ 30 अक्टूबर 2014 तक अवश्य भेजें।

आप स्वयं या अपने रिश्तेदार और परिचितों का निम्न जानकारियों के साथ – सदस्य का नाम, पत्र व्यवहार का पता, जीवन परिचय, संबंधित क्षेत्र में कार्य विवरण व वार्षिक आय के साथ पासपोर्ट साइज का तात्कालिक फोटो पत्रिका कार्यालय 64, न्यू देवास रोड, या राजेन्द्रकुमार जैन 16, महारानी रोड, इन्दौर पर भेजे। प्राप्त जानकारियों के आधार पर निकट भविष्य में पुस्तक प्रकाशन व सम्मान समारोह कार्यक्रम की रुपरेखा बनाई जा रही है।

मास्टर प्रणय जैन ने कीर्तिमान रचा।

कोमलचंद जैन, इन्दौर। शहर के 11 वर्षीय बाल कलाकार मा. प्रणय जैन ने लगातार 9 घंटे तक इलेक्ट्रीक ड्रम बजाकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के लिए नया कीर्तिमान बनाकर अपना दांवा पेश किया है। मास्टर प्रणय जैन की रोमांचक प्रस्तुति के साथ उन्होंने नगर के सबसे बड़े अस्पताल 'एम.वाय. हास्पिटल' के कायाकल्प के लिए 51 हजार रु. की राशि एकत्रित कर दान की। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर कमिश्नर श्री संजय दुबे की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर सकल दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष श्री प्रदीपकुमारसिंह कासलीवाल,गोलालारीय समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी, पार्षद श्री अरविंद बागड़ी एवं समाजसेवी डॉ. अनिल भंडारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। मास्टर प्रणय के स्कूल अग्रसेन विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती पाटनी, शिक्षकगण, विद्यार्थियों एवं समाजजनों ने पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहकर उनका काफी हौंसला बढ़ाया। कमिश्नर श्री संजय दुबे ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में मास्टर प्रणय का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि लगातार 9 घंटे ड्रम बजाने की प्रस्तुति के साथ जो दूसरा लक्ष्य एम.वाय. अस्पताल के कायाकल्प हेतु धन जुटाने का रखा है वह प्रशंसनीय है। छोटी सी उम्र में बड़ा कार्य करने का जो प्रण प्रणय ने लिया वह अद्वितीय है। 7 वर्ष की छोटी सी उम्र से ही वादन कर रहे मा. प्रणय के गुरु श्री बबलू शर्मा व उनके साथी पूरे कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर नगर महापौर श्री कृष्णमुरारी मोघे, इन्दौर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष श्री शंकर ललवानी की उपस्थिति में गोल्डन बुक अवार्ड के नेशनल हेड डॉ.मनीष विश्नोई ने मा. प्रणय को रिकार्ड का प्रमाण पत्र प्रदान किया। मा. प्रणय संजय–अंजू जैन के पुत्र एवं स्व. श्री राजेन्द्रकुमारजी–पुष्पा जैन के पोते है। कार्यक्रम का आयोजन 24×7 फ्रेण्ड फाउण्डेशन के तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन आनंद कासलीवाल ने किया एवं अंत में आभार संजय जैन ने माना।

पत्रिका का आगामी दिसम्बर 14 का अंक विवाह योग्य प्रत्याशी विशेषांक रहेगा। आप अपने परिवार के योग्य प्रत्याशियों के बायोडाटा (चित्र सहित) सशुल्क 150/– प्रति बायोडाटा दिनांक 15 नवम्बर 2014 तक पत्रिका कार्यालय या राजेन्द्र कुमार जैन, 16 महारानी रोड, इन्दौर पर भेज सकते है या ईमेल द्वारा भेजे जाने वाले बायोडाटा की राशि बैंक में जमा कर रसीद को स्केन कर बायोडाटा के साथ भेजने पर ही बायोडाटा को प्रकाशित जावेगा।

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है। संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है।